d) Explain (any **one**):
ব্যাখ্যা কর (যে-কোনো **একটি**) :

i) साहित्यसंगीतकलाविहीनः
साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
नृणं न स्वादन्नपि जीवमान-
स्तद्भागधेयः परमं पशूनाम्।।

ii) सदान्तकूलेषु हि कुर्वते रतिं
नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः।।

e) Write short note on any **one** of the following:
নিম্নলিখিত যে-কোনো **একটি** সম্পর্কে সংক্ষিপ্ত আলোচনা কর :

i) मेघदूतम्
ii) श्रीहर्ष

f) Amplify the following (any **one**):
ভাবসম্প্রসারণ কর (যে-কোনো **একটি**) :

i) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखम्।।
ii) स्वायन्तमेकान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।

3. Answer any **two** questions: 10×2=20
যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Describe the qualities of the kings of Raghu dynasty according to the first canto of 'रघुवंशम्'।
রঘুবংশ মহাকাব্যের প্রথম সর্গ অনুসারে রঘুবংশীয় রাজাদের গুণাবলী বর্ণনা কর।

b) Give an estimate of भारवि as a poet with apt example from your text.
সংস্কৃত সাহিত্যে কবি রূপে ভারবির মূল্যায়ন কর।

c) Express the ports opinion regarding বিদ্যাপ্রশংসা according to our text नीतिशतकम्।
নীতিশতকানুসারে কবি বর্ণিত বিদ্যাপ্রশংসা আলোচনা কর।

U.G. 3rd Semester Examination - 2023

SANSKRIT

[HONOURS]

Generic Elective Course (GE)

Course Code : SANS-H-GE-T-1

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions of the followings: 2×10=20
নিম্নলিখিত যে-কোনো **দশটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Who is the author of 'रघुवंशम्'? What is the source of this court epic?
রঘুবংশ মহাকাব্যটি কার লেখা? আলোচ্য মহাকাব্যটির উৎস উল্লেখ কর।

b) Which deities are worshipped in the opening verse of the रघुवंशम्?
রঘুবংশ মহাকাব্যের প্রাথমিক শ্লোকে কোন কোন দেবতার বন্দনা করা হয়েছে?

c) Write the name of most famous commentator of रघुवंशम् and commentary.
রঘুবংশ মহাকাব্যের সর্বাপেক্ষা প্রসিদ্ধ টীকাকার এবং টীকার নাম লেখ।

d) How many cantos are there in the epic कितारार्जुनीयम् and what is the source of this epic?
কিরাতার্জুনীয়ম্ মহাকাব্যে কতগুলি সর্গ আছে এবং মহাকাব্যটির উৎস কি?

e) Write the name of most famous commentator of किरातार्जुनीयम् and commentary.
কিরাতার্জুনীয়ম্ মহাকাব্যের সর্বাপেক্ষা প্রসিদ্ধ টীকাকার এবং টীকার নাম লেখ।

f) What is the अरिषड्वर्गा: as mentioned in 'किरातार्जुनीयम्'?
'কিরাতার্জুনীয়ম্' মহাকাব্যে বর্ণিত অরিষড়বর্গগুলি কি কি?

g) What is meant by "lyric" in Sanskrit literature?
সংস্কৃত সাহিত্যে "lyric" বলতে কি বোঝায়?

h) Who composed मेघदूतम? Who was the hero of this text'?
মেঘদূত কে রচনা করেন? এই কাব্যের নায়ক কে ছিলেন?

i) Who was 'भारवि'? Write the name of text composed by him.
ভারবি কে ছিলেন? তার রচিত কাব্যের নাম লেখ।

j) Who composed भट्टिकाव्यम् and write the other name of भट्टिकाव्यम्.
ভট্টিকাব্য কে রচনা করেন? এই কাব্যের অপর নাম কী?

k) What kind of poetry is नीतशितकम? Who composed it?
নীতিশতক কি প্রকার কাব্য? এটি কার লেখা?

l) Who composed 'गष्डीस्तोत्रगाथा'? How many verses are there in this text?
গন্ডীস্তোত্রগাথা কে রচনা করেন? এই গ্রন্থে কটি শ্লোক আছে?

m) What are the शतकत्रय-s?
শতকত্রয় কি কি?

n) What type of poetry is गीतगोविन्दम्?
গীতগোবিন্দম্ কী ধরনের রচনা?

o) According to नीतिशतकम् what should be king's attitude towards scholars?
'নীতিশতকম্' অনুসারে বিদ্বানদের প্রতি রাজার আচরণ কেমন হবে?

2. Answer any **four** questions of the following: 5×4=20

নিম্নলিখিত যে-কোনো **চারটি** প্রশ্নের উত্তর দাও :

a) Translate into Bengali or English (any **one**):
ইংরেজী অথবা বাংলাতে অনুবাদ কর : (যে-কোনো **একটি**)

i) तं सन्त: श्रोतुमर्हन्ति सदसद्याक्तिहेतव:।
हेम्र: संलक्ष्यते ह्यग्रौ विशुद्धि: श्यामिकाऽपि वा।।

ii) रेखामात्रमपि क्षुण्णादामनोर्वत्मन: परम्।
न व्यतीयु: प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तय:।।

b) Explain (any **one**):
ব্যাখ্যা কর (যে-কোনো **একটি**) :

i) जनि मौन क्षमा शत्कौ त्यागे क्ष्लाघाविपर्यय:।
गुणा गुणानुबन्धित्वान्तस्य सप्रसवा इव।।

ii) क्व सूर्यप्रभवो: वंश: क्व याल्पविषया मति:।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

c) Translate into Bengali or English (any **one**):
ইংরেজী অথবা বাংলাতে অনুবাদ কর (যে-কোনো **একটি**) :

i) स किंसखा साधु न शान्ति योऽधिपं हितात्र य: संश्रुणुते स किम्प्रभु:।
सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पद:।।

ii) कृतास्षिङवर्गजयेन भानवीमग म्यरूपां पदवीं प्रपित्सुना।
विभज्य नक्तन्दिवमस्तन्द्रिणा वितन्यने तेन नयेन पौरूषम्।।